

سُورَةُ الضُّحَى

Surah 93 — Ad-Dhuhaa (The Morning Hours) · Meccan · 11 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ وَالضُّحَى

(ऐ रसूल) पहर दिन चढ़े की कसम

2

وَاللَّيْلِ إِذَا سَجَى

और रात की जब (चीज़ों को) छुपा ले

3

مَا وَدَّعَكَ رَبُّكَ وَمَا قَلَى

कि तुम्हारा परवरदिगार न तुमको छोड़ बैठा और (न तुमसे) नाराज़ हुआ

4

وَلَلْآخِرَةُ خَيْرٌ لَّكَ مِنَ الْأُولَى

और तुम्हारे वास्ते आखिरत दुनिया से यक़ीनी कहीं बेहतर है

5

وَلَسَوْفَ يُعْطِيكَ رَبُّكَ فَتَرْضَى

और तुम्हारा परवरदिगार अनक़रीब इस क़दर अता करेगा कि तुम खुश हो जाओ

6

أَلَمْ يَجِدْكَ يَتِيمًا فَآوَى

क्या उसने तुम्हें यतीम पाकर (अबू तालिब की) पनाह न दी (ज़रूर दी)

7

وَوَجَدَكَ ضَالًّا فَهَدَى

और तुमको एहकाम से नावाकिफ़ देखा तो मंज़िले मक़सूद तक पहुँचा दिया

8

وَوَجَدَكَ عَائِلًا ۖ فَأَغْنَىٰ

और तुमको तंगदस्त देखकर गनी कर दिया

9

فَأَمَّا الْيَتِيمَ فَلَا تَقْهَرْ

तो तुम भी यतीम पर सितम न करना

10

وَأَمَّا السَّائِلَ فَلَا تَنْهَرْ

माँगने वाले को झिड़की न देना

11

وَأَمَّا بِنِعْمَةِ رَبِّكَ فَحَدِّثْ

और अपने परवरदिगार की नेअमतों का ज़िक्र करते रहना